जैविक खाद से फसल की लागत होती कम

सरवनखेड़ा में हुई जिला स्तरीय कृषक गोष्ठी में बोले एमएलसी

संवाद न्यूज एजेंसी

कृषक गोष्ठी में बोलते एमएलसी। संवाद

सरवनखेड़ा। फसल अवशेष मिट्टी में गलाकर उसकी उर्वरा शक्ति बढ़ाई जा सकती है। वहीं, जैविक खाद के उपयोग से फसल की लागत भी कम होगी। यह बातें बुधवार को बिल्टी गांव में आयोजित जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन कृषक गोष्ठी में एमएलसी अविनाश सिंह ने कहीं।

गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक डॉ. राम प्रकाश ने कृषकों को बताया कि कृषि यंत्र से फसल अवशेषों को बारीक टुकड़ों में काटकर भूमि में मिला दिया जाता है। जो धीरे-धीरे भूमि में ही मिल जाते हैं।

फसल अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ. खलील खान ने बताया कि मृदा में कार्बनिक पदार्थ ही एकमात्र स्रोत हैं, जिनसे पौधों को विभिन्न पोषक तत्व मिल जाते है।

इस मौके पर किसानों को लाही किट भी दी गई।

मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. विनोद प्रकाश, प्रद्युम्न यादव, विनोद सिंह परिहार, अजय सिंह, अमित सिंह, मंगल, सुरेश, मोहन कुमार सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

अमर उजाला कानपुर देहात 20/10/2022

कृषि विभाग और एपीडा के साथ में कृषकों की बैठक कराई जाए।

इसमें सरवनखेड़ा विकासखंड के भिंडी उत्पादक कृषकों को भी सम्मिलित किया जाए। कहा कि बैठक में सब्जियों के निर्यात पर विशेष रूप से चर्चा की जाए।

यहां किसानों को धान के अतिरिक्त मक्का एवं बाजरा के सरकारी क्रय केंद्र बनाए जाने की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत किसी भी प्रकार की समस्या/प्रश्न पर कंट्रोल रूम से संपर्क कर समाधान कराने को कहा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के 29 पुरुष व 10 महिला कृषकों को राई/सरसों के बीज की मिनी किट दी गई। यहां उप निदेशक कृषि विनोद कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

गुरुवार, 20 अक्टूबर, 2022 लखनऊ से प्रकाशित वर्ष :

फसल अवशेष न जलायें, इसकी जैविक खाद बनाएं

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बिल्टी, विकासखंड सरवनखेड़ा, जनपद कानपुर देहात में जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर अविनाश सिंह चौहान सदस्य विधान परिषद ने क्षेत्र से आए हुए किसानों से अपील की है कि वह अपनी फसल अवशेष में आग न लगाएं बल्कि मिट्टी में ही गला कर उसकी उर्वरा शक्ति बढ़ाएं जिससे हमारी मिट्टी से फसल उत्पादन गुणवत्ता परक होगा। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों की अपेक्षा जैविक खाद बनाकर फसलों में प्रयोग करने से फसल लागत भी कम होगी । केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामप्रकाश ने कृषकोंबको बताया कि स्ट्रॉ चॉपर कृषि यंत्र से फसल अवशेषों को बारीक टुकड़ों में काटकर भूमि में मिला दिया जाता है। तत्पश्चात हैप्पी सीडर द्वारा सीधे गेहूं की बुवाई कर देते हैं। जिला कृषि अधिकारी डॉ उमेश कुमार गुप्ता ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि फसल अवशेषों का मल्च के रूप में प्रयोग करके खरपतवारों को भी कम किया जा सकता है।

साथ ही साथ मृदा की सेहत में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष गर्मी के तापमान को भी कम करता है।फसल अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ खलील खान किसानों को बताया कि मृदा में कार्बनिक पदार्थ ही एकमात्र स्रोत है। जिसके द्वारा मृदा से पौधों को विभिन्न पोषक तत्वों को उपलब्ध हो जाते हैं। तथा कंबाइन द्वारा फसल कटाई करने पर अनाज की तुलना में 1.29 गुना अन्य फसल अवशेष होता है। यह मृदा में सड़कर कार्बनिक पदार्थ की वृद्धि करते हैं। डॉक्टर खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि फसल अवशेषों में लगभग सभी पोषक तत्व होते हैं लेकिन नाइट्रोजन 0.45 प्रतिशत होता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किसानों को बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण पर दुष्प्रभाव, मृदा के भौतिक गुणों पर प्रभाव एवं पशुओं के लिए हरे चारे की कमी हो जाती है। इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा सरसों/राई के किसानों को मिनिकिट भी वितरित किए गए।

अतिथियों को धन्यवाद उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने दिया इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश सहित क्षेत्र से प्रगतिशील किसान विनोद सिंह परिहार,अजय सिंह परिहार एवं कृष्ण पाल सिंह सहित लगभग 300 से अधिक जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने सहभागिता की।

हिन्दी दैनिक

रहस्य संदेश

RNI.NO.UPHIN2007/20715

एटा से प्रकाशित | गुरूवार 20 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ : 8

फसल अवशेष न जलायें, इसकी जैविक खाद बनाएं-विधायक अविनाश सिंह चौहान

अनवर अशरफ

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बिल्टी, विकासखंड सरवनखेड़ा, जनपद कानपुर देहात में आज जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर श्री अविनाश सिंह चौहान मा. सदस्य विधान परिषद ने क्षेत्र से आए हुए किसानों से अपील की है कि वह अपनी फसल अवशेष में आग न लगाएं बल्कि मिट्टी में ही गला कर उसकी उर्वरा शक्ति बढ़ाएं जिससे हमारी मिट्टी से फसल उत्पादन गुणवत्ता परक होगा। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों की अपेक्षा जैविक खाद बनाकर फसलों में प्रयोग करने से फसल लागत भी कम होगी । केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामप्रकाश ने कृषकोंबको बताया कि स्ट्रॉ चॉपर कृषि यंत्र से फसल अवशेषों को बारीक टुकड़ों में काटकर भूमि में मिला दिया जाता है। तत्पश्चात हैप्पी सीडर द्वारा सीधे गेहूं की बुवाई कर देते हैं। जिला कृषि अधिकारी डॉ

उमेश कुमार गुप्ता ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि फसल अवशेषों का मल्च के रूप में प्रयोग करके खरपतवारों को भी कम किया जा सकता है। साथ ही साथ मृदा की सेहत में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष गर्मी के तापमान को भी कम करता है।फसल अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ खलील खान किसानों को बताया कि मृदा में कार्बनिक पदार्थ ही एकमात्र स्रोत है। जिसके द्वारा मृदा से पौधों को विभिन्न पोषक तत्वों को उपलब्ध हो जाते हैं। तथा कंबाइन द्वारा फसल कटाई करने पर अनाज की तुलना में 1.29 गुना अन्य फसल अवशेष होता है। यह मृदा में सड़कर कार्बनिक पदार्थ की वृद्धि करते हैं। डॉक्टर खान ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि फसल अवशेषों में लगभग सभी पोषक तत्व होते हैं लेकिन नाइट्रोजन 0.45 प्रतिशत होता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने किसानों को बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण पर दुष्प्रभाव, मृदा के भौतिक गुणों पर प्रभाव एवं पशुओं के लिए हरे चारे की कमी हो जाती है। इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा सरसों/राई के किसानों को मिनिकिट भी वितरित किए गए। अतिथियों को धन्यवाद उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने दिया ।इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश सहित क्षेत्र से प्रगतिशील किसान विनोद सिंह परिहार,अजय सिंह परिहार एवं कृष्ण पाल सिंह सहित लगभग 300 से अधिक जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने सहभागिता की।

बाढ़ पीड़ित 39 किसानों को दिए सरसों के बीज

अमर उजाला कानपुर देहात 20/10/2022

किसान दिवस पर डीएम ने कलक्ट्रेट में सुनीं काश्तकारों की शिकायतें

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर देहात। कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित हुआ। यहां किसानों की समस्याएं सुनीं गई। इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित 39 किसानों को राई/ सरसों के बीज की मिनी किट दी गई।

डीएम नेहा जैन ने शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश अफसरों को दिए। किसानों ने माइनरों की सिल्ट सफाई व खाद आदि की उपलब्धता को लेकर समस्या बताई। इस पर डीएम ने उप निदेशक कृषि को आवश्यक निर्देश दिए। यहां कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान, सहकारिता, विद्युत, नलकूप व सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कृषकों को रबी की फसलों की बुवाई के संबंध में तकनीकी जानकारी जिला कृषि अधिकारी ने दी। डीएम ने निर्देशित किया कि कृषि विभाग और एपीडा के साथ में कृषकों की बैठक कराई जाए।

इसमें सरवनखेड़ा विकासखंड के भिंडी उत्पादक कृषकों को भी सम्मिलित किया जाए। कहा कि बैठक में सब्जियों के निर्यात पर विशेष रूप से चर्चा की जाए।

यहां किसानों को धान के अतिरिक्त मक्का एवं बाजरा के सरकारी क्रय केंद्र बनाए जाने की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत किसी भी प्रकार की समस्या/प्रश्न पर कंट्रोल रूम से संपर्क कर समाधान कराने को कहा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के 29 पुरुष व 10 महिला कृषकों को राई/सरसों के बीज की मिनी किट दी गई। यहां उप निदेशक कृषि विनोद कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जैविक खाद से फसल की लागत होती कम

सरवनखेड़ा में हुई जिला स्तरीय कृषक गोष्ठी में बोले एमएलसी

संवाद न्यूज एजेंसी

सरवनखेड़ा। फसल अवशेष मिट्टी में गलाकर उसकी उर्वरा शक्ति बढ़ाई जा सकती है। वहीं, जैविक खाद के उपयोग से फसल की लागत भी कम होगी। यह बातें बुधवार को बिल्टी गांव में आयोजित जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन कृषक गोष्ठी में एमएलसी अविनाश सिंह ने कहीं।

गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक डॉ. राम प्रकाश ने कृषकों को बताया कि कृषि यंत्र से फसल अवशेषों को बारीक टुकड़ों में काटकर भूमि में मिला दिया जाता है। जो धीरे-धीरे भूमि में ही मिल जाते हैं।

फसल अवशेष प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ. खलील खान ने बताया कि मृदा में कार्बनिक पदार्थ ही एकमात्र स्रोत हैं, जिनसे पौधों को विभिन्न पोषक तत्व मिल जाते है। इस मौके पर किसानों को लाही किट भी दी गई।

मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. विनोद प्रकाश, प्रद्युम्न यादव, विनोद सिंह परिहार, अजय सिंह, अमित सिंह, मंगल, सुरेश, मोहन कुमार सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

कृषक गोष्ठी में बोलते एमएलसी। संवाद